मासिक समाचार पत्र-इंदौर, अहमदाबाद, पुणे से एक साथ प्रकाशित संस्करण
वर्ष-1 :: अंक-9 :: मूल्य-5.00 रु.
हमारा संकल्प सेवा और समर्पण

हूमड़ वाणी

अंतर्राष्ट्रीय संगठन का दर्पण

गुरुवार, 15 मई 2025 | फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज का मुख पत्र | धर्म के लिए जिएं, समाज के लिए जिएं, ये धड़कनें, ये श्वांस हो हूमड़ समाज के लिए

(अन्तर्राष्ट्रीय संगठन)

हम हूमड़ जैन जैन धर्म का स्वरुप

जो दूसरों को जीते वह वीर
जो स्वयं को जीते वह महावीर
स्वयं को जीतने वाला जितेन्द्रि
वहीं है जीन या जैन

जैन धर्म केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि एक उत्कृष्ट जीवन-दर्शन है। इसका आधार है- अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह और आत्म-शुद्धि। भगवान महावीर ने धर्म को केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे विचार, आचरण और व्यवहार में जीने की प्रेरणा दी।

जैन धर्म का मूल सिद्धांत अहिंसा है। यह केवल शरीर से हिंसा न करने तक सीमित नहीं, बल्कि मन और वचन से भी किसी को दुःख न पहुँचाना ही सच्चा धर्म है। यही कारण है कि जैन धर्म सभी जीवों के प्रति करुणा, समभाव और सह-अस्तित्व की भावना रखता है।

यह धर्म सिखाता है कि आत्मा में असीम ज्ञान, शक्ति और आनंद है, लेकिन वह कर्मों से आच्छादित है। धर्म वही है जो आत्मा को इन बंधनों से मुक्त कर, मोक्ष की ओर ले जाए। भगवान महावीर का संदेश- 'परस्परोपग्रहो जीवानाम्'-यह बताता है कि सभी जीव एक-दूसरे के सहायक हैं। यही विचार मानवता की नींव है।जैन धर्म में समता का भाव प्रमुख है-चाहे कोई भी जाति, वर्ग या भाषा हो, धर्म का मूल्यांकन उसके कर्मों और व्यवहार से होता है, न कि नाम या रूप से। सच्चा धर्म वही है जो दूसरों के दुःख को समझे, सेवा करे और प्रेम फैलाए। मंदिरों में आरती करने से बड़ा धर्म है-किसी के जीवन में उजाला करना। उपवास से बड़ा धर्म है-किसी भूखे को भोजन देना। इसलिए, सच्चा जैन वही है जो संयम, करुणा और सच्चाई से जीवन जीता है। यही धर्म है, और यही मानवता का सच्चा संदेश।

यशपाल जुंवा

हाँ हाँ, हमने इंदौर के सुमति धाम में इतिहास को बनते देखा है

कहते है, पवित्र गंगा को भागीरथ जी, धरती पर लेकर आए थे, हमनें उसे नहीं देखा। परंतु हाँ, हमने अहिल्या बाई होलकर की नगरी इंदौर मे एक जैन युवा दंपत्ति, **मनीष-सपना गोधा** के पुरुषार्थ को देखा है, जिन्होंने साक्षात समवशरण को इंदौर के सुमति धाम मे अवतरित कर दिया।

चार सौ से अधिक दिगंबर संतों का चतुर्विद संघ, एक हजार के करीब ब्रह्मचारी भाई-बहनें, लाखों श्रावक-श्राविकाएं और उन सबकी उपस्थिति मे छः दिवसीय भव्यातिभव्य, प्रातः से लेकर देर रात पर्यंत हो रहे विभिन्न आयोजन, संतों आचार्यों की कल्याणकारी दिव्य मंगल देशना, आधुनिक तकनीक निर्मित दो हजार ड्रोन कैमरा द्वारा हर रोज अलग अलग सतरंगी प्रदर्शन। प्रबंध इतना व्यवस्थित और अनुशासित कि व्यवस्था कौन कर रहा है, सब कुछ अदृश्य, बिना पहचान पत्र के भीतर प्रवेश निषिद्ध, लाखों की हर समय भीड़, आवाजाही, फिर भी सब कुछ व्यवस्थित। अद्भुत पट्टाचार्य महोत्सव, मध्य भारत मे प्रथम बार ऐसा अभुतपूर्व संतों का महाकुंभ, अविस्मरणीय ऐतिहासिक आयोजन, परंतु कोई बोली नहीं, मंच से कोई सम्मान वगैरह की औपचारिकता नहीं, सब जगह सिर्फ एक ही नाम-सुमति धाम।

आईये, ऐसे व्यक्तित्व की कुछ विशेषताओं से समाज को रुबरू करवाते है। कोई कहता है, 50-60 करोड़ रुपये खर्च हुए है, तो कोई इसे 100-125 करोड़ का खर्च बताता है, परंतु मुख्य बात तो यह है कि वहाँ रुपयों की कोई चर्चा ही नहीं है। किसी से न कुछ लेना है और न समाज को कोई हिसाब किताब देना है।

धन का दान देना सहज है, परंतु आज के दौर मे समय-दान देना अक्सर दुर्लभ होता है। इतने विशाल आयोजन के प्रबंध एवम परिकल्पना के लिए एक पूरी टीम, एक फौज चाहिए होतीं है, महीनों का श्रम लगता है, परंतु यहां तो कोई भी दिखाई नहीं देता। सुदूर अंचलों मे जा-जाकर संतों को, आचार्य संघों को निमंत्रण देने से लेकर, परिकल्पना करना, संपूर्ण परिसर का निर्माण, इतने संतों के प्रवास- आहार-निहार - विहार की सुचारु व्यवस्था, लाखों भक्तों और अनुयायियों के आवास-यातायात- सुस्वादु भोजन की यथायोग्य व्यवस्था, प्रचार-प्रसार की व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, प्रशासनिक सहयोग, सब कुछ ऐसा लग रहा था,स्व-संचालित हो रहा है, मानों कोई अदृश्य शक्ति कार्य कर रही है, परंतु सब के पीछे एक ही नाम मनीष-सपना गोधा। अद्भुत प्रबंधन कौशल। सब कुछ प्रोफेशनल तरीके से व्यवस्थित।

अब हम सबसे महत्वपूर्ण एवम उल्लेखनीय विशेषता की बात करते है- चलो धन था, लगा दिया, प्रबंधन सब एवेंट् वालों से करवा लिया। एक दो दिन के छोटे से परिवारिक आयोजन में ही हम सब बौखला जाते है, आवले बावले हो जाते है, परंतु प्रकृति ने मनीष-सपना गोधा को तो विशेष रूप से बनाया है, जिन्हें इतने विशाल आयोजन के प्रबंध व्यस्तता के बावजुद, छहों दिन, हमनें उन्हें हर कार्य क्रम को खुद आनंदित करते देखा है, एकदम सहज, विनम्र, प्रमुदित् एवम मुस्कान के साथ हर वक्त सक्रिय, तत्पर, चेहरे पर कोई थकान नही, हर समय फूलों की तरह ताज़गी के एहसास के साथ मौजूद, गुरू भक्ति मे निरंतर थिरकते कदम, किसी अदृश्य दैवीय शक्ति के कारण ही ऐसा संभव हो सकता है। गुरू भक्ति और समर्पण की इसी बात ने हमें सर्वाधिक प्रभावित किया।

ऐसे इतिहास पुरुष
मनीष-सपना गोधा धन्य है

धन्य है उनकी देव शास्त्र गुरू के प्रति असीम भक्ति, समर्पण और त्याग, उनकी ऊर्जा और उनके प्रबंध

कौशल को नमन।

विगत हजारों वर्षों के ज्ञात इतिहास मे एक अकेले परिवार द्वारा इतने विशाल आयोजन का संभवतः यह एक मात्र उदाहरण है। इंदौर की धरती पर एक नये इतिहास रचा गया है, जिसने समाज मे एक बडी रेखा खींची है।

पूज्य पट्टाचार्य 108 श्री विशुद्ध सागर जी महामुनिराज के असीम पुण्य की अनुमोदना, जिन्हें ऐसा गुरुभक्त मिला है, गुरुदेव को कोटिशः नमन। इंदौर के सर सेठ हुकुमचंद जी कासलीवाल के बारे मे पुराने लोग जानते है, परंतु वर्तमान मे तो मनीष-सपना गोधा का नाम एक किवदंति की तरह संपूर्ण देश की जैन समाज के लोगों के मुँह पर स्थापित हो गया है। गोधा परिवार के असीम पुण्य की आत्मीय अनुमोदना, जैनम जयतु शासनम्।

फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज

श्री दिगंबर जैन दशा हूमड़ समाज संस्था 1108 उदयपुर द्वारा प्रवर्तित हिरण मगरी तीर्थ क्षेत्र

श्री दिगंबर जैन दशा हूमड़ समाज संस्था 1108 उदयपुर संस्था का मुख्य उद्देश्य हुमड़ समाज के, सामाजिक सांस्कृतिक, धार्मिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन करना है। संस्था के नाम से यू आई टी उदयपुर से 5250 फीट की भूमि 1996में आबंटित हुई थी । जिस पर निम्न गतिविधि संचालित की जा रही हैः-

श्री मंदिरजी : प्रातः स्मरणीय, अतिशयकारी, मनमोहक श्री 1008 श्री आदिनाथ भगवान का मंदिर है। इस मंदिर में भूतल पर मूलनायक श्री आदिनाथ प्रभु बिराजमान है एवं प्रथमतल पर खड्गासन त्रिमूर्ति मंदिर है ।

स्वाध्याय भवन : मंदिर के साथ ही करीब 3000 स्क्वे. फीट का स्वाध्याय भवन है ।जिसमे

समय समय पर विधान, महाराज के प्रवचन, पर्युषण महापर्व में बड़े विधान आदि आयोजित होते है ।

हुमड़ भवन : मंदिर जी से लगता हुआ एक भवन बनाया गया है जिसका नाम **'हुमड़ भवन'** रखा गया है। एक बेसमेंट हाल के साथ भवन में कुल 14 कमरे है। सभी कमरे वातानुकूलित एवं सर्वसुविधा के साथ है ।

होम्योपैथी क्लीनिक : संस्था द्वारा निःशुल्क होम्योपैथिक क्लिनिक चलाया जा रहा है जहां निशुल्क कंसल्टेशन के साथ में दवाई भी प्रदान की जाती है।

शांतिसागर पाठशाला : समाज के बच्चों में संस्कृति जीवित रहे इसी उद्देश्य के तहत साप्ताहिक जैन पाठशाला का संचालन किया जाता है।

योग सेवा : हुमड़ भवन के बेसमेंट हॉल में नियमित रूप से जैन एवं जैनेतर समाज के लोगों के लिए नियमित योग कक्षाएं आयोजित की जाती है।

संस्था द्वारा समय-समय पर पर्यावरण, चिकित्सा शिविर और दिव्यांग बच्चों को भोजन उपलब्ध कराया जाता है।

सम्पर्क सूत्र : के.के. जैन अध्यक्ष (9828211153), बी.एल. गोदावत महासचिव (943394633)

भगवान महावीर जयंती के अवसर पर सभी संप्रदायों की संयुक्त पालकी यात्रा निकाल ‘जल बचाओ, बेटी बचाओ’ का दिया संदेश

इस वर्ष पहली बार पूर्व मंत्री हर्षवर्धन पाटिल और पुलिस निरीक्षक सूर्यकांत कोंकणे ने भगवान महावीर की पालकी को कंधा दिया और भगवान महावीर के जयकारे लगाए। इंदापुर नगर नागरिक संघर्ष समिति ने भी पहली बार जुलूस का स्वागत किया। यह जुलूस बड़े उत्साह के साथ चार घंटे तक चला।

इंदापुर (पुणे)। जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर की जयंती के अवसर पर सभी संप्रदायों-दिगंबर, श्वेतांबर और स्थानकवासी ने मिलकर इंदापुर शहर में पालकी यात्रा निकाली और पानी बचाने और बेटी बचाने का संदेश दिया।

राष्ट्रीय सहकारी शकर महासंघ के अध्यक्ष हर्षवर्धन पाटिल, इंदापुर कृषि उत्पन्न बाजार समिति के निदेशक मधुकर भरणे, पुलिस निरीक्षक सूर्यकांत कोंकणे, पूर्व महापौर श्रीमती अंकिता शाह, शाह ग्लोबल स्कूल के ट्रस्टी मुकुंद शाह, कर्मयोगी फैक्ट्री के उपाध्यक्ष भरत शाह, इंदापुर रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष संजय दोशी, पूर्व उपाध्यक्ष कृष्णा ताटे, सामाजिक कार्यकर्ता हामिद आत्तार, महादेव चव्हाण ने पालकी यात्रा का स्वागत कर राष्ट्रीय एकता और सर्वधर्म सद्भाव की झलक पेश की। उपरोक्त गणमान्य व्यक्तियों ने भगवान महावीर की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। भगवान महावीर के जयकारों के साथ श्री 1008 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर से पालकी यात्रा शुरू हुई। जुलूस नगर के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में समाप्त हुआ। यहां पारंपरिक तरीके से पूजा और प्रार्थना की गई।

जुलूस के दौरान भारतीय जैन संघटना के नगर अध्यक्ष धरमचंद लोढ़ा ने गोंद के लड्डू व पानी, पारसमल बागरेचा ने शीतल पेय तथा पूर्व पार्षद मिलिंद दोशी ने पेड़े वितरित किए। श्री 1008 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. श्रेणिक शाह, श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर ट्रस्ट के निदेशक मिलिंद दोशी, वासुपूज्य श्वेतांबर जैन मंदिर के अध्यक्ष नरेन्द्र गांधी, सचिव पारसमल बागरेचा, डॉ. सागर दोशी, शिरीन दोशी, नीलेश मोडासे, सागर दोशी म्हसवडकर, अरुण दोशी, महावीर शाह, भरत डोभाडा, संकेत चंकेश्वर, प्रीतम भालेराव, धीरज गांधी, डॉ. आशीष डोभाडा, जवाहर बोरा, चंद्रशेखर दोशी, प्रशांत शाह, पीयूष बोरा, प्रकाश बलडोटा, पिंटू मेहता, सुभाष गांधी और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

पुणे में अनूठा आयोजन

‘अपने बच्चो और पोतो को पहचाने’

पुणे। डॉक्टर राजमल जैन कोठारी से प्राप्त जानकारी अनुसार वागड़ जैन संघ पुणे ने इस वर्ष अनूठा आयोजन आयोजित किया , इस आयोजन में सभी डूंगरपुर और बांसवाड़ा जिले के इंजीनियर्स और डॉक्टर्स अपने परिवार के साथ शामिल हुवे थे , आयोजन में अनूठी बात यह थी की जहां हम अपनी वर्तमान , पिछली एवं आने वाली पीढ़ियों से जिस तरह दूर होते जा रहे है, वही वागड़ जैन संघ पुणे ने अपने बच्चो को और पोतो की पहचान ने में जो दूरिया होती जा रही है उसे कम करने के लिए ’ अपने बच्चो और पोतो को पहचाने ’ नाम से कार्यक्रम आयोजित किया। ये अनूठी पहल निश्चित ही परिवारों में होती दूरिया कम करने में सहायक होगी।

संस्थापक अध्यक्ष बनीं प्रेरणा शाह

सागवाड़ा। समाजसेवी प्रेरणा नरेन्द्र शाह सागवाड़ा को नवगठित विजयमति वुमन्स फेडरेशन का अध्यक्ष मनोनीत किया है। दिगंबर जैनाचार्य चतुर्थ पट्टाधीश आचार्य सुनीलसागर के सानिध्य में ईडर में चल रहे महावीर जन्मकल्याणक तथा आचार्य के दीक्षा दिवस कार्यक्रम के तहत आयोजित धर्मसभा में शाह के नाम की घोषणा की गई। आचार्य आदिसागर अंतरराष्ट्रीय जागृति महिला मंच को विजयमति वुमन्स फेडरेशन में समायोजित कर प्रथम अध्यक्ष के रूप में प्रेरणा शाह को मनोनीत किया।

अक्षय तृतीया का जैन धर्म में महत्व

इस अवसर्पिणी युग के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव ने बड़े पुत्र भरत को राज्य देकर दीक्षा धारण की व 6माह का योग समाप्त कर भगवान ऋषभदेव आहार चर्या की विधि दिखाने के लिए वन से नगर की ओर गए, पर उस समय जनता दान की विधि नहीं जानती थी, मोन पूर्वक साधना करने वाले ऋषभदेव जब आहार के निमित्त नगरों में जाते थे तो कोई उन्हें वस्त्र, आभूषण, भोजन वाहन आदि ग्रहण करने का लोग निवेदन करते थे पर वो नवधा भक्ति नही जानते थे, इस तरह 6माह तक मुनि ऋषभदेव को आहार नहीं मिला, फिर हस्तिनापुर में ऋषभदेव ने प्रवेश किया व वहाँ के राजा श्रेयांस के महल में ऋषभदेव आहार के उद्देश से पहुंचे, पिछले भवों की स्मृति से राजा श्रेयांस को व उसकी रानी को आहार दान देने की विधि याद आ गयी, राजा श्रेयांस ने पिछले भवों में

विदेह क्षेत्र में साधुओं को आहार दान दिया था, राजा श्रेयांस ने नवधा भक्ति पूर्वक महायोगी आदिनाथ को गन्ने के रस का आहार दान दिया, इस महादान से हर्षित होकर देवों ने रत्न वृष्टि समेत पंचाश्चर्य किए, ऋषभदेव आहार ग्रहण कर वन में चले गए, इस महादान से राजा श्रेयांस ने अक्षय पुण्य का संचय किया व तभी से अक्षय तृतीया पर्व शुरू हुआ, इस दिन दान देने से विशेष पुण्य का अर्जन होता है, राजा भरत ने राजा श्रेयांस को दान तीर्थ प्रवर्तक की उपाधि से सम्मानित किया

हूमड़ समाज की महिलाओं द्वारा रक्तदान

दुनियाभर में 14 जून का दिन विश्व रक्तदाता दिवस (World Blood Donor Day) के रूप में मनाया जाता है। जिसे मनाने का मकसद समय-समय पर रक्तदान करके कई लोगों की जिंदगियां बचाने वालों को धन्यवाद देना, साथ ही ज्यादा से ज्यादा लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करना भी है। रक्तदान को महादान कहा गया है।

18 से 65 वर्ष की आयु के बीच कोई भी व्यक्ति रक्तदान कर सकता है। इसी क्रम में 10 अप्रैल को श्री बच्चूभाई दयाभाई मेहता महावीर हार्ट इंस्टिट्यूट ब्लड बैंक द्वारा आयोजित कैंप में श्रीमती लता जैन ने रक्तदान कर हुमड़ समाज की महिलाओ में रक्त दान के प्रति जागरूकता लाने का सार्थक प्रयास किया।

इसी क्रम में हुमड जैन महिला की अध्यक्ष बीना जैन के शामगढ के तत्वाधान मे रक्त दान शिविर आयोजित कीया गया जिसमें 40 युनिट रक्त दान कीया गया इसमे मंदसौर जिला अस्पताल की टीम ने रक्त लिया और सभी रक्त दाताओ को जुस और बिस्किट वितरण कीए शामगढ सिविल हास्पिटल पर हुआ।

महिला परिषद द्वारा गौ-सेवा संपन्न

‘गौ सेवा महान इससे जीवन का उत्थान’ को सार्थक करते हुए हुमड़ महिला परिषद, इंदौर द्वारा गौ माता की सेवा-पूजा की गई। इस अवसर पर एक टिफिन पार्टी का भी आयोजन किया गया ।

हुमड़ महिला परिषद, इंदौर की अध्यक्ष श्रीमती मनाली तलाटी से प्राप्त जानकारी के अनुसार परिषद के सदस्य मानव सेवा के साथ साथ पशु पक्षियों की सेवा में भी अग्रणी है और वैसे भी मूक पशु- पक्षियों की सेवा में जो आनंद है वो किसी में नहीं है । श्रीमती तलाटी ने अपनी बात जारी रखते हुए बताया, कि इंदौर की सबसे प्राचीन एवं बड़ी गौ- शाला अहिल्या माता गौशाला में जाकर गौ माता का पूजन कर उन्हें गुड, घास, बाटा आदि खिलाकर उनकी सेवा की गई ।

कार्यक्रम संयोजक श्रीमती नीना तलाटी एवं अनीता दोशी ने बताया कि कार्यक्रम को मनोरंजक बनाने के उद्देश से टिफिन पार्टी का आयोजन भी किया गया साथ ही गेम खिलाये गए । गेम में विजेताओं को पुरुस्कार श्रीमती मधु पालविया एवं श्रीमती शीतल बक्षी की तरफ से वितरित किये गए ।

परिषद अध्यक्ष ने बताया, कि टिफिन पार्टी में सभी अलग अलग तरह के व्यंजन बनाकर लाये थे, जिसका सभी ने भरपूर आनंद लिया । परिषद की संस्थापक श्रीमती कौशल्या जी पतंग्या द्वारा टिफिन पार्टी हेतु सभी के लिए मिठाई की व्यवस्था की गई थी। अंत में सचिव श्रीमती शीतल बक्षी द्वारा आभार प्रदर्शित किया गया।

जैन रामायण का मंचन

जैन शास्त्र ’पदम् पुराण’ पर आधारित ’जैन रामायण’ का मंचन हुमड़ महिला परिषद, इंदौर द्वारा किया गया।

श्रीमती मनाली तलाटी ने बताया कि महावीर जयंती की पूर्व संध्या पर जैन सोश्यल ग्रुप (शिखर) द्वारा आयोजित ’ एक शाम महावीर के नाम’ कार्यक्रम में पदम् पुराण पर आधारित जैन रामायण को नाटक के रूप में प्रस्तुत किया।

उक्त नाटक की लेखिका परिषद की संस्थापक श्रीमती कौशल्या जी पतंग्या थी।

फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज के पूर्व अध्यक्ष श्री महेन्द्रजी शाह मुंबई श्री दिगंबर जैन ग्लोबल महासभा के लिए संयुक्त महामंत्री

समाज सेवा में अग्रणी मुंबई निवासी श्री महेन्द्रजी शाह के द्वारा समाज के लिए दिए जा रहे योगदान को देखते हुवे आपको इस वर्ष श्री दिगंबर जैन ग्लोबल महासभा के लिए संयुक्त महामंत्री के पद से सुशोभित किया गया है।

आप फेडरेशन ऑफ़ हुमड़ जैन समाज के अंतर्राष्ट्रीय संगठन के पूर्व में अध्यक्ष भी थे, आप 1008 आदिनाथ बाहुबली दिगंबर जैन मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं महामंत्री, आचार्य आदिसागर अंकलीकर ट्रस्ट बोरीवली के महामंत्री, श्री महावीर स्वामी दिगंबर जैन मंदिर चारकोप के चेयरमैन, श्री हुमड़ जैन समाज मुंबई के भूतपूर्व अध्यक्ष, श्री भारत वर्षीय दिगंबर तीर्थ क्षेत्र कमेटी महाराष्ट्र अंचल के उपाध्यक्ष के पद का गौरव बढ़ाया है। श्री दिगंबर जैन ग्लोबल महासभा के लिए संयुक्त महामंत्री के पद पर आपको आसीन किया जाना संपूर्ण हुमड़ जैन समाज के लिए गौरव की बात है। आपके उज्जवल भविस्य की अनुमोदना करते है।

9 अप्रैल को JITO के नेतृत्व फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज द्वारा णमोकार महामंत्र का जाप

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नवकार महामंत्र दिवस पर सहभागिता करना हमारे लिए गौरव का क्षण

9 अप्रैल के दिन को नवकार दिवस के रूप में स्थापित कर दिया गया । आप सभी को बधाई, यह सिर्फ और सिर्फ जन समर्थन था जीसने विश्व में नमोकार मंत्र की शक्ति को समझाया गया। देश के प्रधानमंत्री माननीय श्रीमान नरेन्द्र जी मोदी का विज्ञान भवन में उपस्थित होकर सहभागिता करना। जैनत्व के महत्व को खुले मन से स्थापित करना और इसे रीढ़ की हड्डी की तरह आधार बता कर, जैन धर्म की बारिकियों को करीने से सजा कर कुछ प्रतिज्ञा का अनुरोध किया जो जैनत्व को ही नहीं संपूर्ण देश को भी ऊंचाइयां प्रदान करेगा। इसके साथ ही सब मत मतान्तरों को छोड़ कर अनेक साधु भगवन्तों के आशिर्वचन और मार्ग दर्शन मिला। दिनांक 10 अप्रेल त्रयोदशी को वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर का जन्म कल्याणक महोत्सव था। सबको समूह में इकट्ठे होकर जन जन में जैनत्व की प्रभावना करना है । आप सब को महावीर जन्म कल्याणक की बहुत शुभकामनाएं, भगवन महावीर स्वामी ने अपने सभी नामों को सार्थक किया हम भी महावीर स्वामी के शासन में अपने कर्म से अपने ही नाम को सार्थक करने का प्रयास करें । अपरिग्रह को अपनाएं। पुण्य अर्जित करें ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 'नवकार महामंत्र दिवस' कार्यक्रम में शामिल हुए। पीएम मोदी ने अन्य लोगों के साथ 'नवकार महामंत्र दिवस' कार्यक्रम में 'नवकार महामंत्र' का जाप किया। इसके बाद उन्होंने लोगों को संबोधित भी किया। इस दौरान उन्होंने सबसे पहले 9 संकल्पों पर बात की।

उन्होंने कहा साथियों जब आज इतनी बड़ी संख्या में नवकार महामंत्र का जाप किया तो मैं चाहता हूं सब ये 9 संकल्प लेकर जाएं- पहला संकल्प पानी बचाने का संकल्प है। दूसरा संकल्प है एक पेड़ मां के नाम। तीसरा संकल्प है साफ सफाई का। चौथा संकल्प है वोकल पर लोकल। उन्होंने कहा, जिस सामान में भारत की मिट्टी की महक है, हमें उसे खरीदना है और लोगों को भी प्रेरित करना है। पांचवां संकल्प- देश दर्शन। छठां संकल्प-नेचरल फार्मिग को अपनान। सांतवां संकल्प- खेलती लाइफस्टाइल को अपनाना, खानपान मे। आठवां संकल्प- अपनी जिंदगी में योगा और खेल को अपनाइ। नौंवा संकल्प -गरीबों की मदद करना

भारत थमेगा नहीं ऊंचाई को छुएगा, इसके बाद पीएम मोदी ने कहा-आध्यात्मिक शक्ति को अब भी अपने भीतर अनुभव कर रहा हूं' मैंने लालकिले से कहा है- विकसित भारत यानी विकास भी, विरासत भी। एक ऐसा भारत जो रुकेगा नहीं, ऐसा भारत जो थमेगा नहीं। जो ऊंचाई छुएगा, लेकिन अपनी जड़ों से नहीं कटेगा।

फेडरेशन ऑफ़ हुमड़ जैन समाज ने भी अंतराष्ट्रीय स्तर पर नवकार दिवस की प्रभावना को बढ़ने में सार्थक प्रयास कर हुमड़ जन-जन तक जागरूकता करने में अपनी सहभागिता करी है।

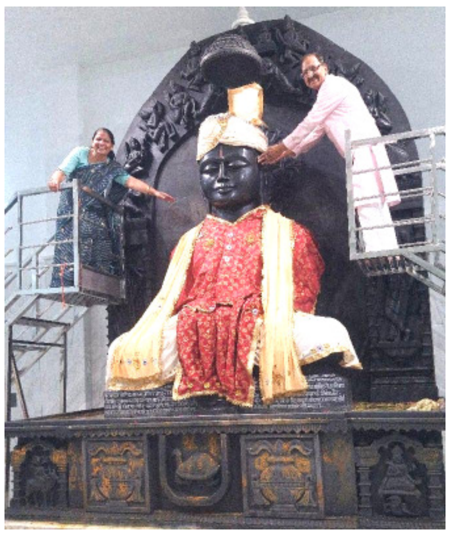

मुख्य वेदी के पुण्यार्जक गाँधी परिवार इंदौर

मध्य प्रदेश के खरगोन स्थित निर्वाण स्थली पावागिरिजी (उन) पर स्थित स्वर्णभद्रादि चार महामुनिराजो निर्वाण स्थली पर श्री मज्जिनेन्द्र 1008 आदिनाथ एवं श्री 1008 सशस्त्रकूट जिन बिम्ब प्रतिस्ठा महोत्सव में भव्य पंचकल्याणक एवं विश्व शांति महायज्ञ में परम पूज्य आचार्य श्री 108 विशुद्धसागरजी महाराज जी के पावन सानिध्य में 7 से 12 अप्रैल 2025 तक आयोजित हुवा। पंच पहाड़ी स्थित नवीन चौबीसी मंदिर में मुख्य वेदी के पुण्यार्जक परिवार स्व .श्री सोहनलालजी गुणमाला जी गाँधी की स्मृति में हसमुख - उर्मिला, रजनीकांत - स्वाति , अर्पित - अक्षिता , श्रिया , किंजल , दक्ष गाँधी एवं नेहा - सुलभजी व् मिश्रा दोशी का होना गाँधी परिवार का पुण्योदय का प्रभाव है।

डॉ प्रिंस जैन गांधी बने I M A Medical student Network के मध्य प्रदेश के अध्यक्ष

सुखदेव नगर इन्दौर निवासी श्री अनिल एवं मनीषा गांधी के पुत्र डॉ प्रिंस जैन गांधी को Indian Medical Association, Medical Student Network मध्य प्रदेश क्षेत्र का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

आपको यह उपलब्धि आपके द्वारा किए गए COVID -19 Booster Dose पर अनुसंधान कार्य करने हेतु आई सी एम आर द्वारा प्रमुख 30 शोधकर्ताओं में स्थान प्राप्त करने के कारण प्राप्त हुई।

श्री हूमड़ जैन समाज ट्रस्ट, इंदौर द्वारा आपको MBBS में उच्च स्थान प्राप्त करने पर विशेष सम्मान से सम्मानित किया गया था।

श्रेष्ठ प्रतिभा के धनि इस युवा हूमड़ साथी के उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं एवं भावना व्यक्त करते हैं कि आप अपने कर्तव्य पथ पर इसी प्रकार अग्रसर रहते हुए अपना, परिवार का एवं समाज का नाम ऊंचा करते रहें।

फेडरेशन ऑफ़ हूमड़ जैन समाज म.प्र. प्रोशंस महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती मधु जी कोठारी उज्जैन को मुख्यमंत्री मोहन जी यादव की अनुशंसा पर उज्जैन माधव नगर मंडल की उपाध्यक्ष पद पर मनोनयन किया।

जिवदया के क्षेत्र में सेवा कार्य

श्री हुमड़ समाज अहमदाबाद द्वारा जिवदया के क्षेत्र में कार्य करते हुवे गत दिनों में पांजरा पोल की गौशाला में तरबूज एवं घास खिला कर गौशाला की गायो की सेवा कर अपने जीवन में खुशिया अर्जित की। गौशाला में करीब 435 गायो को रखा गया है , सभी के सहयोग से 500 किलो तरबूज एवं 4000 किलो घास से यह कार्य सम्प्पन हुवा।

विशेष बात यह थी की इस कार्य में हुमड़ समाज अहमदाबाद की अधिकतर महिलाओ ने इस कार्य में अगवानी की साथ ही इस कार्य हेतु छोटे से बड़ी सभी महिलाओ ने साथ दिया, युवा वर्ग का उत्साह के साथ सम्मिलित होना जीवदया के लिए अति श्रेष्ट रहा।

राजस्थान युवा संघ द्वारा आयोजित नखराली घूमर जैसे की 30 मार्च को अपने राजस्थान का स्थापना दिन है जैसे मातृभूमि राजस्थान और कर्मभूमि गुजरात तो सोचा की क्यों ना एक मात्र शक्ति द्वारा घूमर नृत्य का आयोजन किया जाए और वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया जाए तो 12000 मातृशक्ति बहनों ने एक साथ घूमर नृत्य करके वर्ल्ड रिकॉर्ड सूरत में बनाया और मुझे कोर्डिनेटर बनाया गया उसका मुझे सम्मान किया गया।

निलेश-अल्पना की पुत्री, सरोज गेंदालालजी की पौत्री ध्वनि शाह ने सीएटी-2024 में 99.86 प्रतिशत का स्कोर किया, जो मध्यप्रदेश में सबसे ज्यादा है। व्यक्तिगत साक्षात्कार के साथ इस स्कोर ने भारत के शीर्ष प्रबंधन संस्थान आईआईएम अहमदाबाद में एमबीए प्रोग्राम में प्रवेश मिला। एनआईटी त्रिची से बीटेक में स्नातक किया था।

"गर्व से कहो – हम जैन हैं!
जाति जनगणना में 'जैन' लिखवाना है सम्मान की पहचान!"

जय जिनेन्द्र!

जाति जनगणना 2025

भारत सरकार जनगणना में जाति विवरण शामिल कर रही है।

हर जैन भाई-बहन से विनम्र निवेदन:

- ✅ जाति में सिर्फ "जैन" लिखवाएं।
- ❌ गच्छ, पंथ, उपनाम आदि न जोड़ें।

इससे क्या लाभ होगा?

- जैन समाज की सटीक जनसंख्या ज्ञात होगी।
- सरकारी योजनाओं में मजबूती से भागीदारी।
- सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं को लाभ।

सभी कॉलम नंबर 6 में "जैन" लिखें

1	2	3	4	5	6	7	8
-	-	-	-	-	जैन	-	-

अब समय है एकता दिखाने का! "हम जैन हैं" – यही हमारी पहचान है!

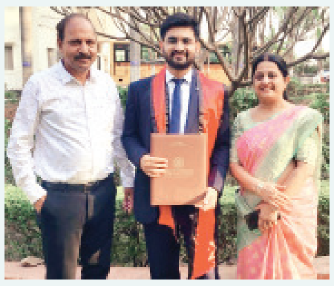

मानमल-राजमती दोशी के नाती डॉ. मेहुल खासगीवाला को M.S. की परिक्षा मे उच्च स्तरीय रेंक पाने पर समाज गौरवान्वित है।

हमारे गौरव

डॉ. सिद्धांत बोबरा द्वारा एमबीबीएस डिग्री प्राप्त करने पर हुमड समाज गौरवान्वित है। कंचन बाग, इन्दौर निवासी श्रीमती शांता देवी एवं स्व. डॉक्टर वीरेंद्र कुमार बोबरा के पौत्र, श्री पंकज एवं रश्मि बोबरा के पुत्र, डॉ. सिद्धांत बोबरा द्वारा एमबीबीएस डिग्री प्राप्त करने पर हुमड समाज गौरवान्वित है. आपने अपना अध्ययन इंडेक्स मेडिकल कॉलेज इंदौर से किया।

आत्मकल्याण से लोक कल्याण की ओर बढ़ते चरण

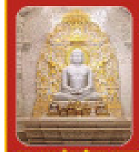

प.पू. 1008 श्री सुमतिनाथ भगवान सुमतिधाम, इन्दौर

अध्यात्मयोगी महाश्रमण प.पू. 108 आचार्यश्री विशुद्धसागरजी महाराज
के सुमतिधाम इन्दौर में आयोजित पट्टाचार्य पदारोहण महामहोत्सव
के परम पावन प्रसंग पर गुरु चरणों में अर्पित

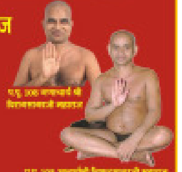

विनयांजलि

कुछ चरण यहाँ जो चलते हैं, वे चरण चिह्न बन जाते हैं।
जिस भू पर चलकर के गुजरे, रजकण चन्दन बन जाते हैं।।
वे पावन चरण युगों की छाती, पर अंकित हो जाते हैं।
तम, बियाबान में भटकों को, दीपक बन राह सुझाते हैं।।1।।
कंकरीले पथरीले पथ पर, जो पाँव चले ना रुके कभी।
काँटे चुभे पग तले छिले, निकली न आह मुख से कभी।।
वे फूल नहीं फौलादी पग, सूं धार बहे ना थमे कभी।
संघर्षों के तूफान उठे, मंजिल तक बढ़े न डरे कभी।।2।।
वे पाँव नहीं वे 'चरण' 'विशुद्ध', से 'महाश्रमण' के होते हैं।
जो परम साधना के पहुँचे, उन महासाधक के होते हैं।।
जीवन निर्माण के मोती उनकी, श्वासों के मनके होते।
वे दिव्यपुरुष दिव्य संदेशों, के संवाहक हैं होते।।3।।
वे हैं 'विशुद्ध' सबसे अलग, पहचान अलग सबसे उनकी।
वे देव वाणी के उद्घोषक, आवाज अलग सबसे उनकी।।
वे सिंह वृत्ति से चलते हैं, वह चाल अलग सबसे उनकी।
वे एक अकेले चलते हैं, लाखों की भीड़ पीछे चलती।।4।।
तन से विशुद्ध मन से विशुद्ध, वे विशुद्धता के सागर हैं।
चर्या विशुद्ध चिन्तन विशुद्ध, वे विशुद्धता के आगर हैं।।
अध्यात्म के 'मानसरोवर' के, वे 'राजहंस' हैं बने हुए।
श्रुतसागर से श्रुत मुक्ता चुन, श्रुत बाँटनहारे बने हुए।।5।।
वे 'अंकलीकर परम्परा' के 'अर्क', जिसने आलोक जगाया है।
जिसके आने की आहट से, प्रकृति ने सुर साज सजाया है।।
बासन्ती छटा से सम्मोहक, यह इन्द्रपुरी है बनी हुई।
जन-जन के मन की गगरी, विशुद्ध नीर से भरी हुई।।6।।
तुम 'महावीर सन्देशों' की, परचम फहराते आए हो।
तुम 'विराग' की 'विरागता' की, 'विरासत' लेकर आए हो।।
तुम 'विमल' 'सन्मति' की विशुद्ध, सद्बोधि देने लाए हो।
तुम संत पंथ औ परम्परा का, भेद मिटाते आए हो।।7।।
'पट्टाचार्य पदारोहण' का यहाँ, 'महाकुंभ' है लगा हुआ।
श्रमणों और श्रावकों का, महामेला यहाँ जुटा हुआ।।
चार शतक श्रमणों ने आ, इन्दौर में नया इतिहास रचा।
युग की छाती पर अंकित, श्रद्धा का उमड़ा सैलाब महा।।8।।
हे! विशुद्ध तेरे आने से, इन्दौर नगर 'महाधाम' बना।
सपना-मनीष के संकल्प से, 'विशुद्धमय' 'सुमतिधाम' बना।।
सम्यक दर्शन ज्ञान चरित का, 'त्रिवेणी संगम' धाम बना।
ज्ञान नीर से न्हवन करो, यह शिव सुख का पैगाम बना।।9।।
महाकुंभ में श्रमण पधारे, उन सबको हम नमन करें।
शांत सौम्य छवि के दर्शन कर, नयनों को हम धन्य करें।।
पलक पावड़े बिछा हृदय के, द्वार खुले स्वागत करते।
दूर-दूर से चलकर आए, चरण पखारे उन सबके।।10।।
पट्टाचार्य पदारोहण पर, 'विशुद्ध' तेरा अभिनंदन है।
चरण 'सरोजों' पर 'सरोज' का, लख-लख तेरे वंदन है।।
हृदय 'सरोज' खिले सबके, मन मरु हो गई नंदन है।
इधर-उधर सब ओर दिखे, महावीर के लघु नंदन है।।11।।
धन्य-धन्य वे लोग यहाँ आ, पावन दृश्य देख पाए।
धन्य धरा जहाँ पट्टाचार्य, महोत्सव में इतने साधु आए।।
चरण पड़े विशुद्ध के वसुमती, 'सुमतिमय' है आज हुई।
इन्दौर नगरी इन्द्रपुरी सी, नगरों की सरताज हुई।।12।।
नगर-डगर संदेश व्यसन, मुक्ति का देते आए हो।
न्याय-नीति प्रेम का जग को, पाठ पढ़ाते आए हो।।
सदाचार-समरसता की तुम, सुधा पिलाते आए हो।
है संतप्त विश्व, शांति का, नीर बहाते आए हो।।13।।
खिले फूल विसर्जन की, क्यारी में यहाँ सृजन के हैं।
महापुरुषों के उत्सवों से, आते अवसर अर्जन के हैं।।
दिया 'आचार्य पद' 'विराग' ने, 'विशुद्ध' को देह त्याग पहले।
रचा स्वर्ण इतिहास रच न पाया, कोई इससे पहले।।14।।
कितनी सदियों बाद विशुद्ध सा, संत धरा पर आता है।
पत्थर दिल को पिघलाता, सोयों का भाग्य जगाता है।।
अहोभाग्य! गुरु उपकारी का, 'पट्टाचार्य महोत्सव' मना रहे।
लाखों लाख लोग पाद, पद्मों में शीश झुका रहे।।15।।
मंगलकारी मंगलमूरत, विशुद्ध विशुद्ध गुरु तुम्हें नमन।
मंगल उद्बोधन देते हो, सौम्य शान्त विशुद्ध नमन।।
सर 'सरोज' उद्धारक विशुद्ध, शुद्ध आतम गुरु तुम्हें नमन।
बना साधना से आचरण, आईना साधक तुम्हें नमन।।16।।
गुरु चरणों में श्रद्धावनत वंदन-नमन (दि. 30.4.2025)

सरोज शाह

मुंबई में मंदिर तोड़ने के खिलाफ जैन समुदाय का प्रदर्शन

कोर्ट में सुनवाई से पहले बीएमसी की कार्रवाई; लोग बोले-हम कमजोर नहीं, मंदिर वहीं बनाएंगे

मुंबई में बडी संख्या में जैन समुदाय है। यह आंकड़ा 50 लाख के आसपास हो सकता है। मुंबई में जैन समुदाय के 08 से अधिक विभिन्न संगठन सक्रिय हैं। मुंबई के विले पार्ले ईस्ट के कांबलीवाड़ी में 90 साल पुराना पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर को BMC की टीम ने 16 अप्रैल को तोड़ दिया। इस कार्रवाई से पहले नगर निगम ने मंदिर को नोटिस भेजा था। जिसके खिलाफ जैन समाज ने एक याचिका भी दायर की थी। इस पर 17 अप्रैल को सुनवाई होनी थी। ब्रह्ममुंबई की टीम की कार्रवाई सुनवाई से पहले ही की गई। इसके कारण जैन समुदाय के लोग आक्रामक हो गए हैं। उन्होंने शनिवार को अहिंसक तरीके से अपना गुस्सा जाहिर किया।

हजारों की तादाद में महिलाएं--पुरुष सड़कों पर नारे लगाते हुए नजर आए। सभी ने काली पट्टी बांधकर बीएमसी का विरोध किया। लोग नारे लगा रहे थे-हम कमजोर नहीं हैं, मंदिर वहीं बनाएंगे।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि राम कृष्ण रेस्टोरेंट के मालिक के कहने पर जैन मंदिर को ध्वस्त किया गया। वह परिसर में बार शुरू करना चाहता था, लेकिन मंदिर के कारण उसे लाइसेंस नहीं मिल सका। इसलिए उसने मंदिर की जमीन से जुड़े मुद्दे खोजकर इसे तुड़वाया। हालांकि इस मामले में कमिश्नर भूषण गगरानी ने बताया कि वार्ड के प्रभारी नवनाथ घाडगे का तत्काल प्रभाव से तबादला कर दिया गया है। नवनाथ ने के-ईस्ट वार्ड की एक टीम मंदिर तोड़ने भेजी थी।

ट्रस्टी बोले- BMC की परमिशन से रेनोवेट करवाया था

कांबलीवाड़ी में नेमिनाथ सहकारी आवास सोसाइटी में बने मंदिर (चैत्यालय) के ट्रस्टी अनिल शाह ने कहा कि इसे 16 अप्रैल को ढहा दिया गया। शाह ने बताया कि यह मंदिर 1960 के दशक का था और बीएमसी की परमिशन से इसका जीर्णोद्धार कराया गया था। उन्होंने दावा किया कि एक सरकारी प्रपोजल था, जिसमें कहा गया है कि ऐसे मंदिर को नियमित किया जा सकता है। आपको केवल BMC को नियमितीकरण के लिए प्रपोजल पेश करना होगा और हमने वह BMC को दिया था।

मंगलप्रभात लोढ़ा बोले- धर्म की रक्षा हम सबकी जिम्मेदारी

मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा ने भी जैन समुदाय के प्रदर्शन में भाग लिया। लोढ़ा ने BMC की इस कार्रवाई की निंदा की थी। उन्होंने X पोस्ट लिखा-'धर्म की रक्षा करना हम सबकी जिम्मेदारी है। विले पार्ले में हमारे पूज्य भगवान पार्श्वनाथ जैन मंदिर को ध्वस्त कर दिया गया है, यह सिर्फ एक इमारत नहीं बल्कि हमारी आस्था, संस्कृति और धर्म पर हमला है। यह रैली हमारी एकजुटता दिखाने के लिए है।

हैरानी की बात यह है कि सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक और मंत्री भी इस रैली में शामिल हुए। यह उनकी सरकार है। आस्था के स्थान को बनाए रखना उनका काम है। हालांकि, ऐसा होता हुआ प्रतीत नहीं हो रहा है। यह कार्रवाई पूर्वनियोजित थी। यह एक षड्यंत्र है। जैन समुदाय शांतिपूर्ण है। क्या आपने कभी उसकी आवाज सुनी है। लेकिन आज उन्हें भी सड़कों पर उतरना पड़ा। फेडरेशन ऑफ़ हुमड़ जैन समाज के सभी समाज जानो में राजस्थान, मुंबई, पुणे, गुजरात, मध्य प्रदेश, दक्षिण भारत, दिल्ली और अंतराष्ट्रीय देशो में जैन समुदाय में आक्रोश है ।

विश्व परिवार दिवस पर कोठिया संयुक्त परिवार ने लिया एकजुट रहने का संकल्प

वागड़ क्षेत्र के संयुक्त परिवारों में एक कोठिया संयुक्त परिवार डडूका ने विश्व परिवार दिवस पर विगत 65वर्षों से जारी अपने संयुक्त परिवार प्रकल्प को एक जुटता के साथ जारी रखने का संकल्प लिया। परिवार के मुखिया बदामीलाल कोठिया एवं कमला देवी कोठिया के नेतृत्व में 21 सदस्यीय यह संयुक्त परिवार विगत 7 दशकों से चार चार पीढ़ियों के साथ अपनी सांस्कृतिक एवं सामाजिक विरासत को अक्षुण्ण बनाए हुए है। परिवार में चार पुत्र, चार बहुएं, पांच पौत्र, पांच बेटियां, दो पौत्र बहुएं, एक पोती सहित 21व्यक्ति जब एक किचन में एक साथ भोजन करते हैं तो बाहर से आने वाले लोग समझते है कि घर पर कोई मेहमान आए हैं। प्रतिदिन प्रातः माता पिता के चरण स्पर्श से अपनी दिनचर्या प्रारंभ करने वाले ये परिजन रोजाना पार्श्वनाथ जिनालय में भगवान का अभिषेक एवं पूजा करने जाते हैं। रात्रि में रोजाना सामूहिक रूप से भक्तामर पाठ कर परिवार एवं विश्व की सुख समृद्धि की कामना की जाती है। वर्ष में दो बार सभी परिजन सम्मेद शिखरजी, कुंडलपुर, अष्टापद, पावागढ़, तारंगाजी ओर अंदेशवर पार्श्वनाथ जैसे तीर्थ क्षेत्रों की यात्राएं भी करते हैं। परिवार की पड़पोती 7वर्षीय अहाना अविन कोठिया ऐसे बड़े परिवार से जो संस्कार पा रही है वो किसी भी मायने में किसी गुरुकुल में मिलने वाले संस्कारों से कम नहीं है।

अंतरराष्ट्रीय फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज द्वारा अभिनंदन

पार्श्वमणी बंडीजी का बाग मंदसौर में हूमड़ जैन समाज मंदसौर एवं अंतरराष्ट्रीय फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज द्वारा बही पार्श्वनाथ पंचकल्याणक के हूमड़ समाजजन के पात्रों का बहुमान व अभिनंदन किया गया। साथ ही सकल दिगंबर जैन समाज से नवनियुक्त अध्यक्ष जयकुमार बड़जात्या, महामंत्री मनीष सेठी एवं कोषाध्यक्ष भरत कोठारी एवं डॉ. वीरेन्द्र मधु गांधी भगवान के माता-पिता, अरविंद-ममता मेहता कुबेर इंद्र, जितेन्द्र-हेमलता जोशी आरण इंद्र, हंसमुख-विमला रंगीला भगवान के माता-पिता, राजेन्द्र-रक्षा कियावत एवं विपुल गांधी का अभिनंदन किया गया।

माँ-अच्छी माँ, सन्तान-श्रेष्ठ सन्तान हेतु गर्भ संस्कार शिविर

फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज अंतरराष्ट्रीय संगठन द्वारा दि. 7 जून 2025 शनिवार को गर्भ संस्कार शिविर का आयोजन करने जा रहा है। प्रत्येक सन्तान के साथ एक माँ का भी जन्म होता है। माँ को बदला नहीं जा सकता लेकिन संस्कार वान श्रेष्ठ सन्तान को पाया जा सकता है। सभी महिलाओं से अनुरोध है कि चाहे वे माँ बन चुकी है, अथवा बनने वाली है इस नि शुल्क कार्यशाला में अवश्य सम्मिलित होवें। आपके सारे प्रश्नों का समाधान होगा इस कार्यशाला में। इस आयोजन हेतु विशेष रूप से अपनी ही समाज की विशेषज्ञा श्रीमती ज्योति एस. गांधी, पुणे बेबी प्लानिंग से लेकर डिलेवरी तक का सुनियोजित पाठ्यक्रम करके अभी तक हजारों महिलाओं को लाभान्वित कर चुकी। कार्यशाला में सम्मिलित होने हेतु गूगल लिंक यथा समय प्रेषित कि जावेगी।

सोलापुर में सोलहवा परिचय सम्मलेन 1 जून 2025 को

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सोलापुर में दशाहूमड , विशाहूमड़ समाज एवं संपूर्ण जैन समाज का परिणय सम्मलेन का आयोजन सोलापुर में आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। एक विशेष बात है की यह सम्मलेन प्रतिवर्ष यहाँ पर महिलाओ द्वारा आयोजित किया जाता है और संपूर्ण समाज का भरपूर प्रतिसाद मिलता है। अधिक जानकारी के लिए संपर्क कर सकते है :-

सौ वासंती विजयकुमार कोठारी 9822509066
सौ. मेघा राजन गांधी 9370550440
सौ. संगीता अ. शहा 9730303050
सौ. निशा भ. गांधी 9405232952
डॉ. सुजाता प्र. मेहता 9423591281

देवास के इतिहास में प्रथम पंचकल्याण महोत्सव

आचार्य भगवान विद्यासागरजी महाराज के आशीर्वाद एवं आचार्य समयसागरजी महाराज की आज्ञा से पूज्य मुनि श्री निष्पक्षसागरजी महाराज एवं पूज्य मुनि श्री निस्पृहसागरजी महाराज के सानिध्य में ब्रह्मचारी विनय भैयाजी (बंडा) के द्वारा साई विहार कालोनी देवास में महावीर धाम दिगम्बर जिन चैत्यालय का पंच कल्याणक सानंद संपन्न हुआ। मूल नायक महावीर स्वामी की पाषाण प्रतिमा स्थापित की गई एवं महावीर भगवान की अष्ट धातु की प्रतिमा का सौभाग्य भाई श्री राजेशजी शाह ने प्राप्त किया। प्रतिष्ठा में पात्र के रूप में श्रीमती भावना राजेश शाह को भरत चक्रवर्ती, श्रीमती मीनल मयंक शाह राजा श्रेयांस तथा श्रीमत निर्मला अभय शाह को लन्तव इंद्र का सौभाग्य प्राप्त हुआ। कुमारी आहना शाह को अष्टकुमारी एवं कुमारी केनिशा गांधी को छप्पन कुमारी बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

हूमड़ जैन समाज के नवनिर्मित भवन पर मुनि संघ के चरण

बड़े ही हर्ष का विषय है कि हूमड़ जैन समाज के नवनिर्मित भवन पर मुनि संघ पट्टाचार्य आचार्य गुरुदेव 108 श्री विशुद्ध सागर जी महा मुनिराज के परम प्रभावी शिष्य 108 श्री प्रशम सागर जी महाराज, 108 श्री सुप्रभ सागर जी महाराज, 108 मुनि श्री प्रणत सागर जी महाराज, 105 क्षुल्लक श्री विप्रज्ञ सागर जी के सानिध्य का पुण्य समाज जनों को प्राप्त हुआ।

दिनांक 8 मई को संध्या 6:00 बजे मोदी जी की नसिया से मुनि संघ की भव्य अगवानी समाज भवन पर हुई। समाज जनों ने मुनि संघ का पाद प्रक्षालन एवं भव्य आरती की। रात्रि में समाज जनों को मुनि वैय्या वृत्ति का पुण्य लाभ मिला।

9 मई को प्रातः दीप प्रज्वलन कर मुनि जनों के पाद प्रक्षालन कर श्रीफल अर्पित किया गया, साथ ही महिला संकाय द्वारा शास्त्र दान किया गया जिसके पश्चात अमृत प्रवचनों का लाभ मिला। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज जन एवं समाज के गणमान्य सदस्य उपस्थित थे। तत्पश्चात समाज भवन पर ही मुनि संघ की आहारचार्या संपन्न हुई। साथ ही नव दीक्षित क्षुल्लक 105 श्री विप्रज्ञ सागर जी की दीक्षा पश्चात प्रथम पारणा प्रक्रिया समाज भवन पर संपन्न हुई।

मुख्य विशेषता यह थी की आहार हेतु चौका भी समाज जनों द्वारा ही लगाया गया था एवं उपस्थित समाज जनों को मुनि आहार का पुण्य प्राप्त हुआ।

विहार के दौरान मुनि संघ द्वारा समाज जनों को खूब आशीर्वाद प्रदान किया, एवं उनके द्वारा यह आशीर्वाद दिया गया कि यह भवन शीघ्र और भी बड़ा बने तथा हूमड़ जैन समाज इंदौर नई ऊंचाइयों को प्राप्त करे।

संपूर्ण कार्यक्रम में श्री अजय बंडी, श्री यशपाल जुआं, श्री विजय सेन जुआं, श्री यशवंत तलाटी, श्री चंद्र प्रकाश जी शाह, श्री शरद पाणोत, श्री संजीव तलाटी, श्री सचिन तलाटी, श्री रजनीकांत गांधी, श्री अनिल आंजनिया श्री संजय दोषी, श्री प्रदीप बंडी, श्री पवन बागड़िया, श्री विजय कोठारी, श्री प्रदीप कोठारी ने, श्री महेंद्र बंडी, श्री दीपक मिंडा, श्री राहुल जैन, श्री सुनील बंडी, श्री महावीर बागड़िया, श्री वीरेंद्र बंडी ने व्यवस्थाओं को संभाला और संपूर्ण कार्यक्रम को अपने उच्चतम स्तर तक पहुंचाया।

महिला सदस्याओं श्रीमती स्नेहलता जी पाणोत, श्रीमती लता पाणोत, श्रीमती अंजलि बंडी, श्रीमती स्वाति गांधी, श्रीमती सुनीता पाड़लिया, श्रीमती कौशल्या पतंग्या, श्रीमती रेखा बागड़िया, श्रीमती सोनाली बागड़िया, श्रीमती मनाली तलाटी, श्रीमती ममता आंजनिया, श्रीमती रेखा बंडी, श्रीमती अर्पिता बंडी का डविशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

युवा अंतरिक्ष वैज्ञानिक बनकर असीमित सफलता मार्ग प्रशस्त करें : कोठारी

गढ़ी। प्रसिद्ध अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. राजमल कोठारी ने देश के युवाओं से अंतरिक्ष वैज्ञानिक बन असीमित सफलता का मार्ग प्रशस्त करने का आह्वान किया है। डॉ. कोठारी महावीर इंटरनेशनल के गोल्डन जुबली आयोजनों के तहत गोल्डन ग्रेड कार्यक्रम में फेसबुक लाइव पर साक्षात्कार में गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया से रूबरू हो रहे थे। डॉ. कोठारी ने मिशन चंद्रयान, मंगल यात्रा और अंतरिक्ष के कई अनसुलझे रहस्यों पर सारगर्भित जानकारियां दीं। कोठिया के सवालों का जवाब देते हुए डॉ. कोठारी ने अपने अभावों में बीते बचपन, सागवाड़ा में हुई स्कूली शिक्षा, पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी और पूर्व राष्ट्रपति मिसाइलमैन डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम से निकटता का जिक्र करते हुए 100 से अधिक देशों की यात्रा का भी जिक्र किया। इसी क्रम में वागदरी डूंगरपुर से पद्मश्री मूलचंद लोढ़ा ने भी फेस बुक लाइव पर साक्षात्कार में कोठिया के सवालों के जवाब देते हुए नेत्र चिकित्सा, जनजाति अंचल में मानव सेवा, विद्यालय संचालन तथा जनजाति अंचल से मासिक पत्रिका के प्रकाशन और जागरण जनसेवा मंडल वागदरी के माध्यम से आचार्य महाप्रज्ञ के सपनों को साकार करने में अपने सम्पूर्ण समर्पण संबंधी जानकारी दी।

उज्जैन की बेटी को महामहिम राज्यपाल ने सम्मानित किया

उज्जैन। उज्जैन की बेटी को मध्य प्रदेश के महामहिम राज्यपाल ने जबलपुर में मां नर्मदा की नगरी में गोल्ड मेडल से सम्मानित किया है

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक में जनसंपर्क अधिकारी के रूप में पदस्थ रहे विमलेश दिया विमलेश डोसी की पुत्रवधू डॉक्टर आयुषी जैन को जबलपुर में मध्य प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में मध्य प्रदेश के महामहिम राज्यपाल श्री मंगू भाई पटेल ने गोल्ड मेडल से सम्मानित किया है उन्हें गोल्ड मेडल के साथ-साथ डॉक्टर की उपाधि भी दी है डॉ आयुषी जैन द्वारा धनवंतरी आयुर्वेद कॉलेज उज्जैन में आयुर्वेद में अपनी पढ़ाई पूरी की है तथा एम डी (द्रव्य गुण)भी उनके द्वारा आयुर्वेदिक कॉलेज उज्जैन से किया गया है डॉक्टर आयुषी

जैन ने महामहिम राज्यपाल के हाथों गोल्ड मेडल और उपाधि लेने के बाद बताया कि उनके पिता प्रभात जैन और उनकी माताजी अनीता जैन ने उनकी इस डिग्री में बहुत ही मदद की है और आज उनकी मदद से ही उन्हें यह सर्वोच्च सम्मान प्राप्त हुआ है यह सम्मान प्राप्त होने पर उज्जैन के आयुर्वेदिक चिकित्सा महाविद्यालय के चिकित्सकों और छात्रों में उत्साह है।

लेइशा द्वारा णमोकार महामंत्र का जाप

पापरी। 5 वर्षीय लेइशा, जो एक महाराष्ट्रीयन है लेकिन वर्तमान में नेदरलैंड में रहती है, ने णमोकार महामंत्र का 108 बार जाप करके और पियानो पर उसकी धुन बजाकर भगवान महावीर को उनकी जयंती के अवसर पर विशेष शुभकामनाएं दी हैं। लेईशा अकलुज के हुमड़ परिवार अक्षय फड़े और सोनल फड़े की बेटी है, जो एक इंजीनियर दंपति है।

आत्मनिर्भर बनाने के लिए दिव्यांग महिलाओं को सिलाई मशीन प्रदान

70 दिव्यांगों को सुनने की मशीन भी निशुल्क प्रदान की गई

भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति जयपुर फुट एवं अपना परिवार संस्थान बांसवाड़ा द्वारा आज आयोजित दिव्यांग उपकरण वितरण कार्यक्रम में ट्राइबल क्षेत्र की 10 महिलाओं को निशुल्क रूप से सिलाई मशीन प्रदान की गई।

साथ ही साथ 70 श्रवण बाधित दिव्यांग जनों को कान में सुनने की मशीन निशुल्क प्रदान की गई ।

इस कार्यक्रम में 11 दिव्यांग जनों को चाय की दुकान एवं ढाबे का सामान प्रदान किया गया जिसके कारण वह दिव्यांग अपने पैरों पर खड़े हो आत्म निर्भर बन सकेंगे और अपनी आय को सुनिश्चित कर सके।

अपना परिवार संस्थान के अध्यक्ष विकेश मेहता ने बताया कि आज इस अनूठे कार्यक्रम में वागड़ क्षेत्र में पहली बार दिव्यांग लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के अभियान का शुभारम्भ किया गया इसके तहत महिलाओं को सिलाई मशीन प्रदान कर उनको अपने पैरों पर खड़े होने के लिए संबल प्रदान किया गया

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भारतीय जनता पार्टी की जिला अध्यक्ष पूंजीलाल गायरी ने शुभकामनाएं प्रदान कीं।

महावीर जयंती पर मुनि भक्त अलंकरण से सम्मानित श्री प्रमोद हीरालालजी पानोत

इंदौर। हूमड़ समाज के लिए गौरव की बात है की उनके समाज के श्री प्रमोदजी हीरालालजी पानोत को इस वर्ष महावीर जयंती के शुभ अवसर पर दिगंबर जैन महासमिति इंदौर संभाग द्वारा इस वर्ष भी 11 श्रेष्टि जनो को सम्मानित किया गया था उसमे इस वर्ष चयन समिति द्वारा आचार्य शांति सागरजी मुनि भक्त अलंकरण से सम्मानित करने हेतु श्री प्रमोद हीरालालजी पानोत, इंदौर को सर्व सम्मति से चयन किया गया था। स्मृति नगर इंदौर निवासी श्री प्रमोद जी जो की साधु परमेष्टियो के विहार करने में तकरीबन 25 से 30 वर्षो से सतत मुनिश्री की सेवा शुश्रूषा में लगे हुवे है।

माताजी के साथ भी पैदल विहार में जाकर उन सभी का सानिध्य एवं आशीर्वाद आप प्राप्त कर रहे है। आज भी आप सिर्फ एक समय ही आहार ग्रहण करते है, सूर्यास्त के बाद जल का त्याग के नियम का पालन करते ह। विगत 30 वर्षो से आपने चप्पल एवं जूतों का पूर्णतया त्याग का पालन करते हुवे कभी भी कोई भाई साधु संत या संघ के लिए आहार विहार आदि हेतु सतत तत्पर रहते है। आपके इस सम्मान से संपूर्ण हूमड़ समाज आपके त्याग की भक्ति की अनुमोदना करता है।

पट्टाचार्य चर्या शिरोमणि आचार्य गुरुदेव 108 श्री विशुद्ध सागर जी महा मुनिराज ससंघ कि प्रेरणा से ग्रंथ अप्प बोहो (आत्मबोध) का विमोचन करने का अवसर गांधी परिवार (हसमुख-रजनीकान्त गांधी) इन्दौर को सुमति धाम में मिला।

दाहोद के अंकित सेठ को एक बार फिर 'तिरंगे को सलाम' के राष्ट्रीय मंत्री एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता नियुक्त।

संपादक-श्री यशपाल जुवां-9826097101, email : humadwani2024@gmail.com प्रकाशक एवं मुद्रक श्री महेन्द्र बंडी (राष्ट्रीय महामंत्री) 9827255910 सन्मति 29/3, स्नेहलतागंज, इंदौर (म.प्र.), फेडरेशन ऑफ हुमड़ जैन समाज, पंजीकृत कार्यालय-9, सिंदुर कॉ.-ऑप., हाउसिंग सोसायटी, ईश्वर भवन के पास, नवरंगपुरा, अहमदाबाद (गुजरात) 380014-अहमदाबाद-से मुद्रित एवं प्रकाशित।